

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन
Agro Meteorological Advisory Bulletin
 के लिए
for the
 छत्तीसगढ़ राज्य
State of Chhattisgarh

अवधि – 21 नवम्बर 2017 से 24 नवम्बर 2017 तक
For the period 21 November 2017 to 24 November 2017

जारी करने का दिनांक
Issued on

मंगलवार, दिनांक 21 नवम्बर, 2017
Tuesday, 21 NOVEMBER 2017

अगला नवीनीकरण : 24 नवम्बर 2017
Next update : 24 November 2017

Issued by



भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र रायपुर
Meteorological Centre, India Meteorological Department, Raipur,

सौजन्य से
In collaboration with



इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर छ.ग.
Indira Gandhi Krishi Vishwavidhyalaya, Raipur
 तथा



कृषि विभाग छत्तीसगढ़ शासन
State Department of Agriculture

राज्य का कृषि जलवायु क्षेत्र Agro climatic Zone of State			
Sr.NO.	कृषि जलवायु क्षेत्र Agro climatic Zone	जिले Districts	कृषि मौसम क्षेत्र ईकाई Agro Met Field Unit (AMFU) location
1.	छत्तीसगढ़ का उत्तरीय पहाड़ी भाग Northern Hills Zone	सरगुजा, कोरिया ,जशपुरनगर, बलरामपुर और सुरजपुर Surguja, Korea, Jashpurnagar, Balrampur and Surajpur	अम्बिकापुर Ambikapur
2.	छत्तीसगढ़ का मैदानी भाग Chhattisgarh Plain Zone	रायपुर, कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर चांपा-जांजगीर, कबीरधाम, दुर्ग, महासमुन्द, धमतरी, राजनांदगांव व कांकेर , बलौदाबाजार, गरियाबंद, बालोद, बेमेतरा और मुंगेली Raipur, Korba, Raigarh, Bilaspur, Janjgir-Champa, Kabirdham, Durg, Mahasamund, Rajnandgaon, Dhamtari, Kanker, Balodabazar, Gariaband, Balod, Bemetara, Mungeli.	रायपुर Raipur
3.	छत्तीसगढ़ के बस्तर का पठारी भाग Bastar Plateau Zone	बस्तर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर ,बीजापुर कोंडागाव और सुकमा Bastar, Dantewada, Narayanpur, Bijapur, Kondagaon and Sukma	जगदलपुर Jagdalpur

Weather summary for the period: - 17.11.2017 to 21.11.2017

Chief Amount of Rainfall (cm):

17.11.2017	Nil
18.11.2017	Nil
19.11.2017	Nil
20.11.2017	Nil
21.11.2017	Nil

S.NO	STATION	RAINFALL(mm)				
		17.11.2017	18.11.2017	19.11.2017	20.11.2017	21.11.2017
1	Raipur	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	Mana AP	TRACE	0.0	0.0	0.0	0.0
3	Bilaspur	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
4	Pendra-road	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
5	Ambikapur	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
6	Jagdalpur	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
7	Durg	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
8	Rajnandgaon	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

Temperature:

- Range

	Temperature (° C)	Departure (° C)
Maximum temperature	26 TO 32	-04 TO +04
Minimum temperature	16 TO 22	+01 TO +06

- Temperature

S.No	Station	17.11.2017		18.11.2017		19.11.2017		20.11.2017	
		Max (°C)	Min (°C)	Max (°C)	Min (°C)	Max(°C)	Min (°C)	Max(°C)	Min (°C)
1	Raipur	29.0	21.7	29.5	20.5	30.9	21.5	32.1	22.2
2	Mana AP	27.4	21.3	29.0	19.7	30.9	20.0	32.0	21.3
3	Bilaspur	30.0	21.4	31.0	21.0	31.7	19.4	32.0	19.9
4	Pendra-road	28.4	19.0	30.2	16.9	31.6	17.3	29.8	16.7
5	Ambikapur	25.6	18.5	27.2	16.2	27.1	15.9	27.2	15.2
6	Jagdapur	25.6	20.2	30.1	18.6	30.6	19.7	31.5	19.9
7	Durg	29.6	20.9	30.6	19.0	31.2	18.4	31.8	19.0
8	Rajnandgaon	-	19.0	27.0	19.0	28.0	19.0	28.2	18.8

Relative humidity: RH was in the range of **48% to 98%**.

Cloud amount: 02-08 Octa.

Wind Speed: Ranged between **00-12 kmph** in the state during the week.

Agro climatic Zone wise Weather forecast for Chhattisgarh

छत्तीसगढ़ का उत्तरीय पहाड़ी भाग Weather forecast for Northern Hills Zone

	Surguja					Balrampur				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp. (°C)	27	26	26	26	26	27	26	26	26	26
Min. Temp. (°C)	13	13	12	12	11	13	13	12	12	11
Cloud Cover (Octa)	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
Maximum humidity (%)	85	85	85	85	85	85	85	85	85	85
Minimum humidity (%)	45	45	45	45	40	45	45	45	45	45
Wind Speed (kmph)	5	5	3	4	3	5	5	3	4	2
Wind Direction	S	SW	SE	SE	N	SW	SW	SW	SW	S
	Surajpur					Jashpur				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp. (°C)	27	26	26	26	26	25	25	25	25	25
Min. Temp. (°C)	13	13	12	12	11	15	15	14	14	13
Cloud Cover (Octa)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Maximum humidity (%)	85	85	85	85	85	85	85	85	85	85
Minimum humidity (%)	45	45	45	45	45	45	45	45	45	45
Wind Speed (kmph)	4	4	2	2	3	3	4	2	3	3
Wind Direction	SW	W	S	SE	E	NW	NW	SW	SW	E
	Koriya									
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV					
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0					
Max. Temp. (°C)	27	26	26	26	26					
Min. Temp. (°C)	13	13	12	12	11					
Cloud Cover (Octa)	0	0	0	0	0					
Maximum humidity (%)	85	85	85	85	85					
Minimum humidity (%)	45	45	45	45	45					
Wind Speed (kmph)	4	5	2	3	2					
Wind Direction	NW	NW	NW	W	E					

छत्तीसगढ़ का मैदानी भाग
Weather forecast for Chhattisgarh Plain Zone

	Bilaspur					Mungeli				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp. (°C)	31	31	30	30	29	31	31	30	30	29
Min. Temp. (°C)	17	17	18	17	16	17	17	18	17	16
Cloud Cover (Octa)	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
Maximum humidity (%)	70	65	65	65	65	70	65	65	65	65
Minimum humidity (%)	55	55	55	55	55	55	55	55	55	55
Wind Speed (kmph)	3	3	2	4	3	4	3	2	4	3
Wind Direction	S	S	S	S	SE	S	S	S	S	E
	Raigarh					Korba				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp (°C)	31	31	30	30	29	31	31	30	30	29
Min. Temp. (°C)	17	17	18	17	16	17	17	18	17	16
Cloud Cover (Octa)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Maximum humidity (%)	70	65	65	65	65	70	65	65	65	65
Minimum humidity (%)	55	55	55	55	55	55	55	55	55	55
Wind Speed (kmph)	2	3	2	3	2	2	3	2	2	3
Wind Direction	SE	SW	NE	NE	NE	SW	W	SE	SE	E
	Janjgir					Rajnandgaon				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp (°C)	31	31	30	30	29	28	28	27	27	26
Min. Temp (°C)	17	17	18	17	16	19	18	18	17	16
Cloud Cover (Okta)	0	0	0	0	0	2	2	0	1	1
Maximum humidity (%)	70	65	65	65	65	80	80	80	80	80
Minimum humidity (%)	55	55	55	55	55	55	55	55	55	55
Wind Speed (kmph)	2	3	2	3	2	0	0	0	0	0
Wind Direction	SE	SW	N	N	N	0	0	0	0	0
	Kabirdham					Durg				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp (°C)	31	31	31	30	30	30	30	29	29	29
Min. Temp. (°C)	20	19	18	17	17	17	17	17	16	16
Cloud Cover (Okta)	0	0	0	0	0	2	2	2	0	1
Maximum humidity (%)	65	65	65	65	65	75	75	75	75	75
Minimum humidity (%)	55	55	55	55	55	50	50	50	50	50
Wind Speed (kmph)	2	3	2	3	2	4	4	3	4	3
Wind Direction	S	SW	S	S	NE	NE	E	NE	NE	N
	Balod					Bemetara				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Max. Temp. (°C)	30	30	29	29	29	30	30	29	29	29
Min. Temp (°C)	17	17	17	16	16	17	17	17	16	16
Cloud Cover (Okta)	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0
Maximum humidity (%)	75	75	75	75	75	75	75	75	75	75
Minimum humidity (%)	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50
Wind Speed (kmph)	4	4	3	3	3	4	4	2	4	3
Wind Direction	NE	NE	NE	NE	NE	N	E	N	NE	N

	Kondagaon					Sukma				
	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV	22 NOV	23 NOV	24 NOV	25 NOV	26 NOV
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0
Max. Temp (°C)	30	30	29	29	28	30	30	29	29	28
Min. Temp. (°C)	17	17	16	15	14	17	17	16	15	14
Cloud Cover (Octa)	3	3	1	3	2	3	3	1	3	2
Maximum humidity (%)	90	90	90	90	90	90	90	90	90	90
Minimum humidity (%)	70	70	70	70	70	70	70	70	70	70
Wind Speed (kmph)	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
Wind Direction	N	NE	NE	N	E	SE	E	NE	NE	NE

कृषि जलवायु क्षेत्रानुसार – कृषि/कृषि मौसम परामर्श
Agro climatic Zone wise Agricultural/Agro meteorological Advisories

छत्तीसगढ़ का उत्तरीय पहाड़ी भाग
Northern Hills Zone
(Surguja, Korea, Balrampur, Surajpur and Jashpurnagar district)

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि में मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे धान की कटाई कर सुखने के बाद मिंजाई करे ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी का उपयोग करते हुए किसान भाई अभी गेहूं की बुआई कर सकते है इसके लिए मौसम अनुकूल है ।
- रबी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुआई इस माह में पूर्ण कर लेवें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा. प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बुआई करे ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतों में उकठा एवं कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता है, वंहा चने के स्थान पर गेहू, तिवडा कुसुम एवं अलसी की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- चना एवं अरहर की फसलों में फल्ली भेदक किट लगाने पर कीटों की रोकथाम के लिये प्रोफेनोफास ५० ई. सी. दवा की १.५ मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे। आवश्यकतानुसार १५-२० दिनों बाद पुनः छिड़काव करे ।
- मटर में भ्रूतिया रोग दिखाई देने पर घुलनशील गंधक/केरोथेन/कार्बेण्डाजिम दवा के दो छिड़काव करे ।
- भिण्डी की फसल को येलोवेन मोजेक बीमारी से बचाने हेतु मेटासिस्टाक किटनाशक दवा का छिड़काव करे ।
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई. सी. दवा ७५० मि.ली. से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों में निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।

- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एवं पानी मिलाएं। फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें।
- दुधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा में खिलावे।
- पशुओं को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रखे।

छत्तीसगढ़ का मैदानी भाग

Chhattisgarh Plain Zone

(Raipur, Korba, Raigarh, Bilaspur, Mungeli, Janjgir-Champa, Kabirdham, Durg, Balod, Bemetara, Mahasamund, Balodabazar, Gariyaband, Rajnandgaon, Dhamtari & Kanker districts)

सामान्य

1. धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल द्वारा फसलों की बुवाई करें।
2. खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करें एवं चना, कुसुम, अलसी एवं मसूर की समय पर बुवाई करें।
3. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
4. उथली जुताई हेतु रोटावेटर का प्रयोग कर समय एवं ईंधन की बचत करें।
5. छोटे किसान बैल चलित भोरमदेव सीडड्रिल का प्रयोग कर चने की कतार बोनी कर सकते हैं।

सब्जियों

1. सब्जियों के बीज को बुवाई से पूर्व मेटालेक्सील दवा 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
2. 20 फिरोमेन ट्रेप प्रति हेक्टेयर प्रयोग कर भटा, टमाटर एवं भिंडी फसल में भेदक कीट का नियंत्रण करे।

फल

1. पुराने आंवले के पेड़ में पुनः उद्धारण हेतु 1 मीटर की ऊंचाई से कटाई एवं छटाई करें।
2. नीबूवर्गीय वृक्षों में बोरेक्स 100 ग्राम प्रति पौध एवं मैग्नीशियम सल्फेट 80 ग्राम प्रति पौध डालकर जड़ों की गुड़ाई करें।
3. फलदार उद्यान में सिंचाई की टपक पद्धति का उपयोग कर जल की उपयोगिता बड़ा सकते हैं।

पशुपालन

1. नवजात बछड़ों मेमनों आदि को ठंड से बचाव हेतु फर्श पर पैरा का गहरा बिछावन बिछाये एवं छत वाले बाड़े में रात को रखें।
2. बहुवार्षिक चारा फसल की कटाई कर ले एवं अतिरिक्त मात्रा का संग्रहण कर रखे।
3. इस माह के अंत तक बरसीम की बुवाई अवश्य कर लें ।

छत्तीसगढ़ के बस्तर का पठारी भाग

Bastar Plateau Zone

(Bastar, Dantewada, Narayanpur, Kondagaon, Bijapur and Sukma districts)

बीजोपचार	<p>खरीफ मौसम के फसलो के बीजों का बीजोपचार जरूर करे।</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ (क) अदैहिक दवायें:- इन दवाओं से उपचारित करने पर सभी फसलों के बीज सतह पर मौजूद फफूंद नष्ट जाती है। इनमें प्रमुख थीरम, केप्टान, डायथेन एम-45। इन दवाओं की 3.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपयोगकरे। ➤ (ख) दैहिक दवायें:- इन दवाओं से उपचारित करने से बीज के भीतर मौजूद फफूंद नष्ट हो जाती है साथ ही यह बीजांकुर को भी 15-20 दिनों तक रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है। इनमें मुख्यतः वीटावैक्स एवं बाविस्टिन का उपयोग 2 से 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीजदर से उपयोग में लाना चाहिए। ➤ (ग) जैव उत्पाद (बायोएजेन्ट) – ट्राइकोड्रमा हारजियनम या ट्राइकोड्रमा स्पीजीज 6-8 ग्राम प्रति किलोग्राम बीजदर से उपचारित करे तथा आवश्यकता होने पर जीवाणु स्यूडोमोनास फ्यूरोसेन्स से भी बीजोपचार करे।
सब्जी	<ul style="list-style-type: none"> ❖ खरीफ में रोपित कोचई/अरबी फसल की हार्वेस्टिंग कर उसमें रबी फसल (जैसे- मटर, फ्रैन्च बीन्स इत्यादि) की बंवाई करे। ❖ रबी – ग्रीष्मकालीन की अरबी/कोचई एवं बण्डा की रोपाई हेतु खेत की तैयारी प्रारम्भ करे।
खरीफ / रबी फसल	<ul style="list-style-type: none"> ❖ धान की कटाई के तुरंत बाद खेत की तैयारी न्यूनतम/शुन्य भूपरिस्करण के द्वारा करे ताकि संरक्षित मृदा नमी का उपयोग रबी फसलो के अच्छे उत्पादन हेतु हो सके। ❖ धान की कटाई तथा उसका भण्डारण 12 प्रतिशत नमी की अवस्था में करे। धान के बीज का दांतों के बीच रखकर काटने से अगर कट की आवाज आती हो तब यह माना जाता है कि इस अवस्था में धान को संरक्षित करना सुरक्षित है। ❖ भण्डारण से पहले बोरी को कीटनाशक से डुबाकर सूखा लेवे एवं उनमें भण्डारण करे। ❖ रबी फसलो की बुवाई इंदिरा सीड कम फर्टीलाइजर ड्रिल (बैल चलित) का उपयोग करे। ❖ दलहन एवं तिलहन फसलो के बीज को रायजॉर्बियम कल्चर (टीकाकरण) से उपचारित करे। ❖ रबी में बोई जाने वाली फसलो के बीजों का फफूंद नाशक दवा बेवेस्टिन 2 से 3 ग्राम प्रति किग्रा. बीज की दर से बुवाई के पूर्व उपचारित कर बुवाई करना चाहिए। ❖ वर्ष भर पशुओं हेतु हरे चारे के लिए वरसीम + सरसो – हाइब्रिड नेपियर – लांबिया की बुवाई करे। ❖ पूर्ण सिंचित समय (मध्य नवंबर) से बुवाई हेतु गैहू की उन्नत किस्में – लोक -1, डब्ल्यू.एच. 1047, कंचन, राज, एच.आई. 8381 एवं जी.डब्ल्यू. 273। ❖ अर्द्धसिंचित अवस्था हेतु गेहू की किस्में- सी. 306, सुजाता. एच.डब्ल्यू.2004, रतन, एच.आई. 8627 एवं एच.आई. 1531। <p style="text-align: center;">रबी दलहनी फसलें एवं उन्नत किस्में</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ तिवड़ा की किस्में – रतन, प्रतीक एवं महातिवड़ा। ➤ चना की किस्में – जे.जी.-74, विजय, वैभव, जे.जी.-14, इंदिरा चना-1, जे.एस.सी.-56। ➤ मटर की किस्में – अंबिका, आदर्श (आई.पी.एफ. 99-25), शुभ्रा, जे.पी. -885, पारस, विकास (आई.पी.एफ.डी. 99-13), प्रकाश(आई.पी.एफ.डी. 1-10), आई.पी.एफ.डी. -10-12। ➤ मसूर की किस्में – लेन्स-4076, आई.पी.एल.-81 (नूरी), जे.एल.-3, आई.पी.एल.-316।

	<p style="text-align: center;"><u>तिलहन फसले एवं उन्नत किस्में</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ अलसी की किस्में— आर.—552, किरन, टी.—397, इंदिरा अलसी—32(आर.एल.सी.— 81), कार्तिका, दीपिका (आर.एल.सी.— 78), आर.एल.सी.— 92. ➤ सरसों की किस्में— पूसा जय किसान (बी.डब्ल्यू. — 902), पूसा बोल्ड, क्रान्ति (पी.आर. 15), वरदान (आर.के. 1467), वरुणा (टी. — 59), छत्तीसगढ़ सरसों —1, बस्तर तोरिया. ➤ कुसुम की किस्में— जे.एस.एफ.— 1, जे.एस.आई. — 7, भीमा, ए—1, नारी एन.एच.—1, नारी एच. — 15, पी.बी.बी.एन.एस. — 12, नारी — 6, पी.बी.एन.एस. — 40. ❖ धान पकने की अवस्था में आ रही है और खेत में पानी भरा हो तो पानी का निकासी कर ले। एवं उतेरा फसले जैसे तोरिया,, अलसी, मटर एवं अलसी की उन्नत एवं जल्दी पकने वाली किस्मों का प्रयोग करे। ❖ चने बुवाई के पहले बीज को बाविस्टीन (कार्बेन्डाजिन) 3ग्राम या वीटामेक्स नामक फफूँदनाशक 2 ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करे। ❖ दलहनी फसल की कटाई पत्तियों के सूखने पर प्रारम्भ करे। ❖ उतेरा फसलों की व्यवस्था कर कटाई पूर्व छिडकाव कर कटाई करे ताकि भूमि की नमी का उचित उपयोग हो सके। ❖ मटर की बुआई हेतु मटर के बीजो को 4 घंटे पानी मे भिगाये और फिर बुआई करे। ❖ जल्दी पकने वाली कस्मों की कटाई पश्चात् तोरिया की उन्नत किस्में इंदिरा तोरिया—1, पन्त तोरिया—30, टी.—9, पी.टी—303 एवं अनुराधा मे से किसी एक का चयन कर बुवाई करे। ❖ उतेरा फसलों की व्यवस्था कर कटाई पूर्व छिडकाव कर कटाई करे ताकि भूमि की नमी का उचित उपयोग हो सके। ❖ रबी ऋतु हेतु साग सब्जियों की नर्सरी तैयार कर एवं तैयार पौध लगा देवे। ❖ सभी खेतों में नमी संरक्षित करे। जहाँ सम्भव हो सके सब्जियों में पलवार का उपयोग करे।
पशुपालन	<ul style="list-style-type: none"> ❖ कृमिनाशक का उपयोग प्रत्येक तीन माह के अन्तराल पर मुर्गीयो को कृमि रोग से मुक्त करने के लिये करे। ❖ यथा सम्भव पशुवाडे को सुखा रखे। जिससे कि कीट एवं बीमारियों से बचाव के साथ-साथ पशुओं एवं पशुपालक के फिसलने से भी बचाव हो सके।